मानविकी विद्याशाखा

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

संस्कृत

एम0ए0 द्वितीय वर्ष सत्रीय कार्य

जमा करने की अन्तिम तिथि.... 15 मई 2015 कोर्स कोड –एम0ए0एसएल -202

प्रोग्रामकोड --- एम0 ए0एसएल 12 अधिकतम अंक -40

कोर्स शीर्षक – गद्य एवं पद्य काव्य

ग्रीष्मकालीन सत्र 2014-15

यह सत्रीय कार्य दो खण्डों में विभक्त है। खण्ड 'क' में आठ प्रश्न दिये गये है। उनमें से किन्ही चार के उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। खण्ड 'ख' मे 4 प्रश्न दिये गये हैं जिनमें से किन्ही 2 प्रश्नो के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

खण्ड 'क

1. महाकवि कालिदास के काल विषयक गुप्तकालीन मत का उल्लेख कीजिए।
2. उत्तर मेघ का सारांश संक्षेप में लिखिए।
3. निम्नलिखित श्लोक ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए।

   जातं वंशे भुवनविदिते पुष्करावर्तकानां
   जानामि त्वां प्रकृतिपुरूषं कामरूपं मघोन:।
   तेनार्थित्थं त्वयि विधिवशाद् दूरबन्धुर्गतोऽहं
   याञ्चा मोघा वरमधिगुणे नाधमे लब्धकामा ।।

4. निम्नलिखित सूक्ति की व्याख्या कीजिए-

   ''कामार्ता हि प्रकृतिकृपणाश्चेतनाचेतनेषु'' ।।

5. आचार्य सुबन्धु का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
6. मेघ के मार्ग का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।
7. कथा व आख्यायिका में क्या भेद है।
8. शिवराजविजय के प्रथमनिश्वासानुसार भारतवर्ष की दशा का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

खण्ड ख

1. मेघदूत में प्रकृति चित्रण का वर्णन कीजिए।
2. पं0 अम्बिकादत्तव्यास की भाषा शैली की विशेषताएं बताइए।
3. संस्कृत गद्यसाहित्य के प्रमुख गद्यकारो का परिचय दीजिए।
4. शिवराजविजय की कथावस्तु का वर्णन कीजिए ।